Preface

I wish to thank my student's mother for sharing the old Hindi Language grammar book with me and enabling me to make this MCQ Question and Answer cum reasoning content.

Here T: symbol denotes translation to English.

The purpose of this content is to make student understand Hindi Grammar through their well known language that is English, learn correct sentence formations and able to comprehend. These make a good revision of English grammar as well and enable the student to remember the concept for longer time as they read the same content in 2 languages and then solve the questions by logical reasoning.

व्यकरण

T: is for translation

भाषा शब्द भाष धातु से बन है, जिस क आर्थ है बोली । भाषा क प्रयोग तीन प्रकार से होते है । लिखित मौखिक और छिन्हों से प्रकट किये जाते है।

T: The word grammar is derived from the source/root word Dhaathu धातु/ मूल तत्त्व, which means to tell. क्रिया का मूल रूप है | This is the root word of any verb.

व्यकरण शब्द जिसका अर्थ है - टुकड़े टुकड़े करना यानि, विश्लेषण करना, "भली- भाँति समझना"। व्यकरण यह ज्ञान है जो किसि भाषा क विश्लेषण करके उसके स्वारुप को स्पष्ट करता तथा उसे शुध्द रूप मै सुनने-बोलने-पढने-शमझाने - लिखने कि विधि सिखलाता है । तो हम कह सकते हैं कि व्याकरण वह कला है जिसकी सहायता से हम किसी भाषा को शुद्ध बोल सकते हैं, पढ़ सकते हैं, और लिख सकते हैं । T: Grammar is the way in which somebody uses the rules of a language and the rules of a language, for example for forming words or joining words together in sentences. Breaking up a sentence into multiple parts and understanding is the key to follow the rules of formation in a language, as grammar elaborates (विश्लेषण) the forming / formation methodology clearly for the making of a sentence in pure form for listening, telling, reading, understanding and writing. Therefore, we can say that the grammar is an art, with the preaching, we can speak, read and write a language in purest form without any errors.

"विभिन्न नियमों के आधार पर भाषा को सही रूप में बोलने, लिखने अथवा पढ़ने का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।" व्याकरण के मुख्यतः चार अंग होते हैं – इकाई

1.???????? | 2.??????? | 3.??????? | 4.??????????

स्त्रीलिंग गणना में प्रथम अंक का स्थान। यौगिक पदार्थ के मूल अवयव।

T: According to different rules of grammar which provides the knowledge of using language in purest form there are mainly 4 parts Noun: unit or monad भाषा की मूल इकाई को वर्ण कहते हैं। वर्णों से शब्द तथा शब्दों से वाक्यों का निर्माण होता है। T: The root unit/monad of grammar is a letter / character (वर्ण)

1. वर्ण विचार (character rule) – भाषा की मूल इकाई है ज्यों वर्णों के संयोग से बनता है। इसके अंतर्गत वर्णों के ध्विन चिन्ह, आकार, वर्गिकरण, उनके भेद तथा उच्चारण, सिन्ध के नियम व्युत्पित्त आदि पर विचार किया जाता है।

T: It covers the concept of *combination* of characters (and formation of new word relating सन्धि and समास – discussed in further module) to and speaks about pronunciations, grouping and sub grouping into vowels consonants and rules of punctuations and marks. Example in the word गोपाल, there are multiple characters which can be split up as follows ग्+ ओ+ प्+ अ+ ल्+ अ. Each one are called a character. Each of these characters is called **वर्ण** which are obtained from alphabets in **वर्णमाला.**

- 2. **शब्द विचार (word or sound rule)** इसके अंतर्गत शब्दों की रचना, उनके भेद व्युत्पत्ति तथा प्रयोग आदि के स्थानों का अध्ययन किया जाता है ।
 - **T:** The formation of sentence and parts of sentence subject predicate objects conjunctions interjections etc and the placement of "parts of speech" is explained in wording (sound) rule.
- 3. वाक्य विचार (Sentence rule) इसके अंतर्गत वाक्य के अंग उपांग तथा उसके भेद, उसके सम्बन्ध, परस्पर संश्लेषण- विश्लेषण और विराम-छिन्हें आदि के नियमों का अध्ययन किया जाता है। T: Sentence rule discuss the topic under study; the parts of sentence and their sub division, relationship of parts in a sentence, mutual "agglutination and synthesis" and "splitting or breakup and analysis" like simple, compound and complex sentences formations are also discussed in forthcoming module. Example the sentence गोपाल हिन्दी क पाठ पढ़ता है। can be analyzed as the subject गोपाल, हिन्दी and पाठ as subject and noun, पढ़ as the root word धातु combined with present continuous tense to become a verb पढ़ता है।
- 4. **पद विचार (rule of terms)** इसके अन्तर्गत पद बेद, रूपान्तर और प्रयोग सम्बन्धी नियमों पर विचार किया जाता है ।

T: changing the form of words like "conversion into plural" or "change in tense" or "compound to complex or simple sentence", and relating to experimental usage of words to form a text is explained in rule of term. For eaxmple there are "many words with same meanings called पर्यायवाचि" and "many words which has more than one meaning, whose meaning is derived in contaxt called अनेकार्थ" which are discussed in forthcoming module.

व्युत्पत्ति स्त्रीलिंग उत्पत्ति। मूल, उद्गम। noun: derivation or origination.

Questions

1. ????? ???????????????

2. ???? ?? ???? ??? ??????

वर्ण और वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला के समस्त वर्णों को व्याकरण में दो भागों में विभक्त किया गया है- स्वर और व्यंजन! स्वर vowels: जिन वर्णों का उच्चारण करते समय साँस, कण्ठ, तालु आदि स्थानों से बिना रुके हुए निकलती है, उन्हें 'स्वर' कहा जाता है। जिन वर्णों को स्वतन्त्र रूप से बोला जा सके उसे स्वर कहते हैं। T: the pronunciation of these vowels are without any tongue or throat or voice hault and hence are independently uttered during intonation.

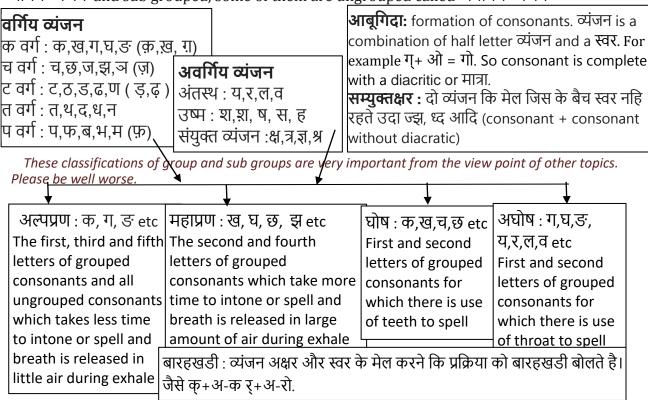
स्वरः अ, आ, इ, ई, उं, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

Types स्वर के प्रकार

- ह्रस्व स्वरः अ, इ, उ, ऋ, ज्यो एक मात्रिक होते हैं। with single count "मात्रा" (lay or the length of spell) symbol of spell is U
- दीर्घ स्वर: आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ज्यों द्वि मात्रिक होते हैं। with double count (2 lay) symbol of spell is written on top of the character.
- प्लुत स्वर: शृ शृ रु, ॐ ऑ , स्वर जिसमे चन्द्र बिन्दु ँ क प्रयोग किया गजाता है, ज्यो त्रि मात्रिक होते हैं। withtriple count (3 lay one lay involving nasal intonation) symbol of spell is written on top of the character.

अनुस्वार- अं, विसर्ग: अ:

व्यंजन:- जो वर्ण स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं उन्हें व्यंजन कहते हैं। these alphabets which are intoned with the help of vowels. These are divided into groups called वर्ग hence the name वर्गिय व्यंजन and sub grouped, some of them are ungrouped called अवर्गिय व्यंजन



इन शब्दो का बारहखडी लिखिये : झ भ थ छ ध घ ढ द ज्ञ

Questions

1. इन मे से कौनसे संयुक्त व्यंजन है?

ेक्ष ^२ त्र ^२ ज्ञ ^२ श्र[े]सब

2. वर्गिय व्यंजन वर्ग के अनुसार कितने प्रकार के होते है?

[°] दस [°] एक [°] चार [°] पानच [°] इन मे से कोई नाहि

3. अवर्गिय व्यंजन वर्ग के अनुसार कितने प्रकार के होते है?

े तीन [°] एक [°] चार [°] पानच [°] इन मे से कोई नाहि

4. अल्पप्रण अकशर पेहेचानिये।

ेख ेत े छ े घ सब

5. महाप्रण अकशर पेहेचानिये।

° क्ष ° त्र ° ज्ञ ° श्र ° इन मे से कोई नाहि

6. अघोष व्यंजन है- वर्गिय व्यंजन दूसराऔर वर्गिय व्यंजन पेहेला चौथा अक्षर तैसर और पाँचवा अक्षर

7. घोष व्यंजन है- वर्गिय व्यंजन दूसराऔर ^{वर्गिय} व्यंजन पेहेला चौथा अक्षर तैसर और पाँचवा अक्षर

Students are requested to answer the questions, convert to pdf and whatsapp or share to personal chat in chat box if you meet in any other app like zoom, G-Meet.